# UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 4 सत्यवादी हरिश्चन्द्र (महान व्यक्तिव)

**पाठ का सारांश**

महाराज हरिश्चन्द्र सत्यवादी थे। इनको जन्म सतयुग में हुआ था। इनकी पत्नी का नाम तारामती और पुत्र का नाम रोहिताश्व था। एक बार राजा ने स्वप्न में अपना सारा राज्य महर्षि विश्वामित्र को दान में दे दिया। दूसरे दिन महर्षि विश्वामित्र इनके दरबार में आए। उन्होंने महाराज को स्वप्न में दान की बात याद दिलाई। महाराज ने प्रसन्नता से सारा राज्य विश्वामित्र को दान कर दिया। दान करने के बाद दक्षिणा दी जाती है। सारा राज्य तो वे दान कर ही चुके थे। अब दक्षिणा के लिए धन कहाँ से आए! हरिश्चन्द्र ने विश्वामित्र को दक्षिणा देने के लिए अपने को बेचने का निश्चय किया। ये काशी की ओर चल पड़े। वहाँ जाकर इन्होंने अपने-आप को बेचने की पूरी-पूरी कोशिश की। शाम को रानी तथा पुत्र को एक व्यक्ति ने मोल ले लिया तथा हरिश्चन्द्र को श्मशान के स्वामी ने मोल ले दिया।

महाराज हरिश्चन्द्र को श्मशान की रखवाली का काम मिला और तारामती को घर का चौका-बर्तन करने का। एक दिन रोहिताश्व को एक सर्प ने डस लिया। तारामती उसे लेकर रोते हुए श्मशान जा पहुँची। उसे पता नहीं था कि पति श्मशान में ही हैं। हरिश्चन्द्र ने तारामती से श्मशान का कर माँगा। तारामती के पास उस समय कुछ न था। हरिश्चन्द्र ने कहा- “मैं बिना कर लिए तुम्हें यह मुर्दा नहीं जलाने दूंगा, ऐसा करना अपने मालिक के प्रति विश्वासघात होगा।” लाचार होकर तारामती ने श्मशान का कर चुकाने के लिए अपनी साड़ी फाड़ना शुरू कर दिया।

उसी समय आकाश में घोर गर्जन हुआ, विश्वामित्र प्रकट हो गए, रोहिताश्व भी जीवित हो उठा। विश्वामित्र ने कहा- “हे राजा! तुम धन्य हो। यह सब तुम्हारी परीक्षा हो रही थी। तुम श्रेष्ठ, सत्यवादी और धार्मिक हो।” वास्तव में, हरिश्चन्द्र हमारे ऐसे पूर्वज हैं, जिन पर प्रत्येक भारतवासी को गर्व है।

शिक्षा- सत्य बोलने, धर्मपालन और कर्तव्यनिष्ठा से सभी कठिन कार्य सरल हो जाते हैं।

**अभ्यास**

**प्रश्न 1.**
राजा हरिश्चन्द्र ने स्वप्न में अपना राज्य किसे दान में दिया?
**उत्तर :**
राजा हरिश्चन्द्र ने स्वप्न में अपना राज्य महर्षि विश्वामित्र को दान में दिया।

**प्रश्न 2.**
राजा हरिश्चन्द्र ने स्वयं को क्यों बेचा?
**उत्तर :**
महर्षि विश्वामित्र को दक्षिणा देने के लिए राजा हरिश्चन्द्र ने स्वयं को बेचा।

**प्रश्न 3.**
राजा हरिश्चन्द्र अपने पुत्र के शव का बिना 'कर' लिए अंतिम संस्कार क्यों नहीं करने दे रहे थे?
**उत्तर :**
क्योंकि राजा हरिश्चन्द्र अपने मालिक के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहते थे।

**प्रश्न 4.**
विश्वामित्र ने हरिश्चन्द्र को उनका राज्य क्यों लौटा दिया?
**उत्तर :**
राजा हरिश्चन्द्र ने सत्य और धर्म का पालन सीमा से भी बढ़कर किया और महर्षि विश्वामित्र की परीक्षा में पूर्णतः खरे उतरे। इस कारण उन्होंने उनका राज्य लौटा दिया।

**प्रश्न 5.**
हरिश्चंद्र का नाम अमर क्यों है ?
**उत्तर :**
क्योंकि हरिश्चंद्र जैसा दूसरा सत्यवादी आज तक जन्म नहीं लिया। अत: हरिश्चन्द्र का नाम अमर है।

**प्रश्न 6.**
बातचीत को आगे बढ़ाइए –
**शिवानी :** कल मेरे स्कूल में 'सत्यवादी हरिश्चंद्र' नाटक खेला गया।
**पंकज :** अरे! हमारे स्कूल में तो नहीं हुआ। तुमने पहले क्यों नहीं बताया? अच्छा, यह बताओ यह नाटक खेला किसने?
**शिवानी :** यही तो मजेदार बात है। मेरी कक्षा के बच्चों ने यह नाटक खेला।
**पंकज :** किसका अभिनय सबसे अच्छा था? (UPBoardSolutions.com)
**शिवानी :** क्या बताऊँ? सभी एक से बढ़ कर एक थे।
**पंकज :** फिर भी सबसे अच्छा अभिनय किसका था?
**शिवानी :** सबसे अच्छा अभिनय नमन का था।

https://www.evidyarthi.in/